



**ग्रामीण कृषि मौसम सेवा**  
भारत मौसम विज्ञान विभाग  
चंद्रशेखर आज़ाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय  
कानपूर, उत्तर प्रदेश



## मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 24-01-2025

इटवा(उत्तर प्रदेश) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2025-01-24 ( अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

| मौसम कारक                      | 2025-01-25 | 2025-01-26 | 2025-01-27 | 2025-01-28 | 2025-01-29 |
|--------------------------------|------------|------------|------------|------------|------------|
| वर्षा (मिमी)                   | 0.0        | 0.0        | 0.0        | 0.0        | 0.0        |
| अधिकतम तापमान(से.)             | 25.0       | 24.0       | 24.0       | 25.0       | 24.0       |
| न्यूनतम तापमान(से.)            | 10.0       | 8.0        | 8.0        | 8.0        | 9.0        |
| अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)  | 78         | 73         | 64         | 68         | 67         |
| न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%) | 58         | 56         | 48         | 48         | 52         |
| हवा की गति (किमी प्रति घंटा)   | 10         | 10         | 8          | 6          | 1          |
| पवन दिशा (डिग्री)              | 298        | 282        | 288        | 305        | 90         |
| क्लाउड कवर (ओक्टा)             | 0          | 0          | 0          | 1          | 1          |

### मौसम सारांश / चेतावनी:

भारतीय मौसम विभाग से प्राप्त मौसम पूर्वानुमान के अनुसार आगामी प्रथम चार दिनों में आसमान साफ रहेगा तथा पांचवें दिन हल्के बादल छाए रहेंगे, परंतु वर्षा की कोई संभावना नहीं है। वायुमंडल की ऊपरी सतह पर हल्की धुंध रहेगी तथा सुबह व रात में हल्के से मध्यम कोहरा छाए रहने की संभावना है। अधिकतम तापमान 24.0-26.0°C के मध्य रहेगा, जो सामान्य से 2-3°C अधिक रहने की संभावना है तथा न्यूनतम तापमान 8.0-10.0°C के मध्य रहेगा, जो सामान्य से 1-2°C अधिक रहने की संभावना है। सापेक्षिक आर्द्रता का अधिकतम व न्यूनतम दायरा 64-78 तथा 48.0-58% के मध्य रहने की संभावना है। हवा की दिशा उत्तर-पश्चिम, पूर्व तथा हवा की गति 1.0-10.0 किमी प्रति घंटा रहने की संभावना है, तथा हवा के झोंके सामान्य से 5-6 किमी प्रति घंटा अधिक रहने की संभावना है।

### सामान्य सलाहकार:

किसानों को सलाह दी जाती है कि वे गेहूँ, सरसों, चना, मटर आदि फसलों में हल्की सिंचाई करें तथा जायद मक्का व सब्जियों की बुवाई के लिए खेत की तैयारी करें। कीटनाशी, रोगनाशी एवं खरपतवार नाशी रसायनों के लिए अलग-अलग अथवा उपकरणों को साफ पानी से धोकर ही प्रयोग करें तथा कीटनाशी, रोगनाशी एवं खरपतवार नाशी रसायनों का छिड़काव हवा के विपरीत दिशा में खड़े होकर छिड़काव या बुरकाव न करें। छिड़काव यथा सम्भव हो तो सायंकाल के समय करें, छिड़काव के बाद खाने-पिने से पूर्व हाथों को साबुन या हैंड वाश से अच्छी तरह से धो लेना चाहिए तथा कपड़ों को धोकर नहा लेना चाहिए।

### लघु संदेश सलाहकार:

किसानों को सलाह दी जाती है कि वे गेहूँ, सरसों, चना, मटर आदि फसलों में हल्की सिंचाई करें तथा जायद मक्का व सब्जियों की बुवाई के लिए खेत की तैयारी करें।

### फ़सल विशिष्ट सलाह:

| फ़सल     | फ़सल विशिष्ट सलाह                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                               |
|----------|---------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| गेहूँ    | समय से बोई गई गेहूँ की फसल में तीसरी सिंचाई बुवाई के 60-65 दिन बाद गाँठ बनने की अवस्था पर हल्की सिंचाई अवश्य करें तथा नत्रजन की एक तिहाई मात्रा की टॉपड्रेसिंग दूसरी सिंचाई के बाद ओट आने पर करें। बिलम्ब से बोई गई गेहूँ की फसल में यदि सकरी व चौड़ी पत्ती वाले, दोनों प्रकार के खरपतवार दिखाई दे तो इसके नियंत्रण हेतु सल्फोसल्फुरान 75% डब्लू पी ३३ ग्राम/हेक्टेयर या मैट्रीब्यूजिन 70 %डब्लू पी 250 ग्राम / हेक्टेयर की दर से 500-600 लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें। |
| सरसों    | सरसों की फसल में दूसरी सिंचाई फूल निकलने के पहले या दाना भरने की अवस्था पर करें। आसमान में लगातार बादल छाए रहने के कारण सरसों की फसल में माँहू, चित्रित वग एवं पत्ती सुरंगक कीट का प्रकोप दिखाई देने की संभावना है अतः इसके रोकथाम हेतु क्लोरपायरीफास 20 % ईसी 1.0 लीटर/हेक्टेयर या मोनोक्रोटोफॉस 36 % एस.एल.की 500 मिली० /हेक्टेयर की दर से 500 से 600 लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव आसमान साफ होने पर करें।                                                                 |
| फील्ड पी | वातावरण में नमी की अधिकता होने के कारण मटर के फसल की पत्तियों, तनों और फलियों पर सफेद चूर्ण की तरह के लक्षण दिखाई दे तो, (बुकनी रोग) इसके रोकथाम हेतु ट्राइडोमार्फ 80% ईसी की 500 मिली० प्रति हेक्टेयर की दर से 500 से 600 लीटर पानी में घोल बनाकर १२-१५ दिन के अन्तराल पर दो छिड़काव आसमान साफ होने पर करें।                                                                                                                                                                   |
| चना      | समय से बोई गई चने की फसल में खुटाई का कार्य रोक दें। चने की फसल में आवश्यकतानुसार हल्की सिंचाई फूल निकलने से पहले या दाना भरने की अवस्था पर करें। चने की फसल में कटुआ (कटवर्म) कीट का प्रकोप दिखाई देने की संभावना है इसके रोकथाम हेतु क्लोरपाइरीफोस 50% ईसी + साइपरमेथ्रिन 5% ईसी 2.0 लीटर/ हेक्टेयर की दर से 500-600 लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें।                                                                                                                    |

### बागवानी विशिष्ट सलाह:

| बागवानी | बागवानी विशिष्ट सलाह                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                               |
|---------|------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| आलू     | वातावरण में नमी बढ़ने/बादल छाये रहने और तापक्रम गिरने से आलू की फसल में झुलसा रोग का प्रकोप तेजी से फैलता है, अतः इसके रोकथाम हेतु मैकोजेब या रिडोमिल २.५ ग्राम/लीटर पानी अथवा कॉपर आक्सीक्लोराइड ३.० ग्राम/लीटर पानी का में घोल बनाकर १२-१५ दिन के अन्तराल पर छिड़काव करें। आलू की फसल में सिंचाई 12 - 15 दिन के अन्तराल पर करें।                                                                                                                                                                                                                                                 |
| प्याज   | ग्रीष्म कालीन मौसम में बोई जाने वाली सब्जियों जैसे- भिण्डी, तोरई, खीरा, करेला, लौकी एवं कद्दू आदि की बुवाई के लिए खेत की तैयारी करें। प्याज के तैयार पौध की रोपाई करें तथा पौध की रोपाई के तुरंत बाद सिंचाई करें। प्याज की फसल में खरपतवार नियंत्रण हेतु पेंडीमेथलीन ३०% ई.सी.3.5 लीटर दवा /हेक्टेयर रोपाई के तुरंत बाद या सिंचाई के ठीक पहले 800 लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें। टमाटर,मिर्च की फसल में पछेती झुलसा और बैक्टीरियल बिल्ट रोग का प्रकोप दिखाई देने पर 10 लीटर पानी में 30 ग्राम कॉपर ऑक्सीक्लोराइड और 1 ग्राम स्ट्रेप्टोसाइलिन का मिश्रण मिलाकर छिड़काव करें। |
| आम      | आम के बागों में कीट एवं आम के कीट प्रकोप की संभावना रहती है, अतः इसकी रोकथाम के लिए क्लोरपाइरीफॉस 20 ईसी 2.0 मिली या फेनिट्रोथियन 50 ईसी 3.0 मिली प्रति लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव किया जाता है। आम के पेड़ों को साफ करें और सूखी और रोगग्रस्त टहनियों को काट लें। बेर के फलों को गिरने से बचाने के लिए साफ आसमान में सुपर 6 हार्मोन 1.0 मिली प्रति 4.5 लीटर पानी के घोल का छिड़काव करें।                                                                                                                                                                                        |

### पशुपालन विशिष्ट सलाह:

| पशुपालन | पशुपालन विशिष्ट सलाह                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                               |
|---------|------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| भैंस    | वर्तमान मौसम को देखते हुए किसानों को सलाह दी जाती है कि वे पशुओं को ठंड से बचाने के लिए सुबह-शाम पशुओं के ऊपर झूल डालें, जानवरों को रात के दौरान खुले में न बांधें और रात में खिड़कियों और दरवाजों पर जूट के बोरे के पर्दे लगाएं और दिन के दौरान धूप में पर्दे हटा दें। पशुओं को हरे और सूखे चारे के साथ पर्याप्त मात्रा में अनाज दें। पशुओं को साफ एवं ताजा पानी दिन में ३-४ बार अवश्य पिलायें। पशुओं को साफ-सुथरे स्थान पर रखें। |

### मुर्गी पालन विशिष्ट सलाह:

| मुर्गी पालन | मुर्गी पालन विशिष्ट सलाह                                                                                                                                                                                                                                                        |
|-------------|---------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| मुर्गी      | किसानों को सलाह दी जाती है कि वे मुर्गियों को दिन में 15 से 16 घंटे प्रकाश उपलब्ध कराये। मुर्गियों को भोजन में पूरक आहार, विटामिन और ऊर्जा खाद्य सामग्री मिलाएं और साथ ही साथ कैल्शियम सामग्री भी मुर्गियों को दें। चूजों को ठंड से बचाने हेतु पर्याप्त गर्मी की व्यवस्था करें। |